जड़ी-बूटी व शहद बेचने के नाम पर जिले में सक्रिय अंतर्राज्यीय डेरा गिरोह के 4 आरोपी देशी कट्टा और 5 रांउड के साथ गिरफ्तार

- आरोपियों से 2,36,000 रु. नगद और सोने चांदी के जेवरात बरामद
- रायगढ़ में हो रही सिलसिलेवार चोरियों का हुआ खुलासा
- दिन में सूने मकानों की करते थे रेकी और रात में देते थे घटना को अंजाम
- आरोपियों की पहचान में सीसीटीवी की रही अहम भूमिका
- साइबर सेल के साथ थाना चक्रधरनगर, जूटमिल की संयुक्त कार्यवाही में मिली बड़ी सफलता
- गिरोह ने घरघोड़ा, चक्रधर नगर, जूटमिल और कोतरारोड क्षेत्र में दी थी चोरियों को अंजाम

रायगढ़। माह मार्च के अंतिम सप्ताह में तीन दिन लगातार चक्रधरनगर, जूटमिल और कोतरारोड़ क्षेत्र में सिलसिलेवार तरीके से नकबजनी की घटना घटित हुई थी। जांच टीम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार को अवगत कराये कि सभी चोरियों में लगभग एक ही पैटर्न से आरोपियों द्वारा चोरी किया गया है। एसएसपी सदानंद कुमार द्वारा थानों की टीम के साथ साइबर सेल को माल मुलजिम पतासाजी के लिए लगाया गया। एडिशनल एसपी रायगढ़ संजय महादेवा और साइबर सेल पर्यवेक्षण अधिकारी एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन पर साइबर सेल और थानों की टीम द्वारा आरोपियों के चोरी के पैटर्न और सीसीटीवी एनालिसिस करते हुए जांच आगे बढ़ा रही थी। टीआई चक्रधरनगर प्रशांत राव और टीआई जूटमिल राम किंकर यादव अपने इलाके के संदेहियों की धरपकड़ कर पूछताछ किया जा रहा था तथा सायबर सेल की टीम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी, प्राप्त फुटेज पर संदिग्ध के हुलिये दूसरे वारदात के फुटेज से मिलान हो रहे थे जिसके बाद थानों और साइबर सेल की टीम द्वारा फुटेज में दिख रहे संदेहियों के संबंध में अपने अपने मुखबिर को सक्रिय कर पतासाजी किया जा रहा था कि संदेहियों के चक्रधरनगर कोतरलिया रेल्वे स्टेशन के बाहर डेरा लगाने वाले होना पता चला जिनके डेरा खालीकर अन्यत्र जाने की जानकारी मिली। तत्काल साइबर सेल, चक्रधरनगर और जूटमिल की पुलिस द्वारा छापेमार कार्यवाही कर बैकुंठपुर (कोरिया) और सासाराम (बिहार) से शहर में घूम-घूम कर शहद बेचने और गौ-हत्या का दोषी होने का दिखावा करने वाले 4 डेरा वाले- किशन खैरवार, राजकुमार खैरवार, चिड़ीमार खैरवार और बीरन खैरवार सभी निवासी पलामू झारखंड को हिरासत में लिया गया, पकड़े गये आरोपियों से एक देशी कट्टा और पांच जिंदा करतूस के साथ नकदी रकम 2,36,000 रूपये और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किये गये हैं। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने पिछले साल दिसंबर माह में घरघोड़ा क्षेत्र में हुई चोरी के साथ विगत मार्च महीने के अंतिम सप्ताह में जिले में हो रही सिलसिलेवार नकबजनी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। आरोपियों का एक साथी रामू खैरवार फरार है।

आरोपियों के तरीका-ए-वारदात- आरोपियों से विस्तृत पूछताछ में जानकारी मिली कि सभी पलामू जिले के डाल्टनगंज इलाके के रहने वाले हैं, छत्तीसगढ़ के कई जिलों में डेरा कर रूकते हैं। वर्तमान में आरोपियों द्वारा जिला कोरिया बैकुंठपुर के महामंदिर महामाया मंदिर रेल्वे स्टेशन के पास अपना ठिकाना बनाकर रह रहे थे। ये लोग अलग-अलग राज्यों के शहरों में दिन के समय घूम-घूम कर मधुरस (शहद) बेचने के बहाने से गली मोहल्लों के बंद मकानों की पहचान करते हैं और उसी रात सभी मिलकर चोरियों को अंजाम देते हैं। ये दिन के समय शहद बेचने के अलावा अपने गले में गेरुवा रस्सी डाल कर बताते कि इनसे गौ हत्या हुई है और सहयोग (रूपये) मांग कर रेकी करते थे और रात में चोरी के लिये अपने साथ बसुला लेकर घूमा करते थे।

इन चोरियों का खुलासा:- आरोपियों ने बताया कि दिसंबर माह में छत्तीसगढ़ के घरघोड़ा शहर में अपने साथियों के साथ डेरा लगाए थे। इस दौरान (1) हाई स्कूल घरघोड़ा के पास कॉलोनी के बंद मकान में ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवरात और नगदी रकम की चोरी किए और पकड़े जाने के डर से सभी सक्ती जिला जाकर डेरा लगा कर रह रहे थे, वहां भी चोरी/नकबजनी अंजाम दिये। सक्ती से वापस पिछले महीने मार्च में रायगढ़ आकर चक्रधरनगर के कोतरलिया रेल्वे स्टेशन के बाहर, रायगढ़ रेल्वे स्टेशन के समीप डेरा बनाकर रुके थे। सभी अपने डेरे से प्रतिदिन शहर के विभिन्न वार्ड मोहल्लों में जाकर सुबह के समय मधुरस बेचने के बहाने बंद मकानों की पहचान करते थे। आरोपियों ने बताया कि 29 मार्च की रात (2) कोतरारोड रेलवे लाइन के पास बंद मकान का ताला तोड़कर सोना चांदी के जेवरात और नकदी रकम चोरी किए थे और लौटते समय रेकी में पहचान किए (3) विनोबानगर पानी टंकी के पास मकान से सोने चांदी के जेवर चोरी किये और उसी रात (4) जूटमिल के सांगीतराई के मकान में करीब 1,50,000 के जेवरातों की चोरी को अंजाम दिए थे। सिलसिलेवार चोरी के क्रम में 30 मार्च की रात आरोपियों द्वारा पहाड़मंदिर के आगे (5) महापल्ली में एक बड़ी चोरी को अंजाम दिए जहां इन्हें नगदी रकम करीब रु.4,50,000 और सोने चांदी के जेवरात मिले। आरोपियों में रामू खरवार ने अपने साथियों को सुझाया की जेवरातों को रायगढ़ में बेचने से पकड़े जाएंगे। तब रामू खैरवार ने जेवरातों को बाहर जाकर बेचने की योजना बनाया। आरोपियों ने बताया कि जिले की चोरियों में मिले नगदी रकम और सोने चांदी के जेवरातों को सभी आरोपियों आपस में बांटे और पुनः डेरा लेकर चरचा कॉलरी एरिया में जाकर ठहर गए। इनके डेरा में 10 से 12 लोग होते हैं जिनमे बच्चे और महिलाएं भी होती हैं। रायगढ़ जिले के अतिरिक्त आरोपियों ने सक्ती और जांजगीर जिले में पिछले साल अक्टूबर महीने में और पुनः जनवरी में चोरी की वारदात को अंजाम देना भी बताये हैं।

पुलिस की घेराबंदी/रेड :- आरोपियों के चोरी के पैटर्न और सीसीटीवी एनालिसिस पर पुलिस संदेहियों की पहचान पुख्ता कि जिसके बाद एसएसपी सदानंद कुमार के निर्देशन पर साइबर सेल, थाना चक्रधरनगर और जूटमिल की संयुक्त टीम द्वारा बैकुंठपुर चरचा इलाके में दबिश देकर 3 आरोपी को पकड़ा गया। पकड़े गये आरोपियों से मिली जानकारी पर पुलिस की एक टीम बिहार , औरंगाबाद रवाना हुई। बिहार सासाराम में रामनवमी दंगा के कारण इंटरनेट सुविधाएं बंद होने से रायगढ़ पुलिस को कार्यवाही में बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पुलिस टीम को टेक्निकल सपोर्ट की मदद नहीं मिल पाने से ह्यूमन हिंट के आधार पर एक आरोपी को सासाराम के पास हिरासत में लेने में सायबर सेल की टीम सफल रही। रायगढ़ पुलिस के धरपकड़ की कार्यवाही पर गिरोह दौरान एक आरोपी किशन खैरवार पकड़ा गया पर एक अन्य आरोपी रामू खैरवार और उसकी पत्नी उनके डेरे से नदारद मिले। पकड़े गए 4 आरोपी किशन खैरवार, बीरन खरवार, राजकुमार खैरवार और चिड़ीमाल खैरवार से पुलिस ने रु.2,36,050 नगद और करीब 1,25,000 रूपये के सोने चांदी के जेवरात की बरामद किया गया है। आरोपियों के डेरा की तलाशी, मेमोरेंडम के दौरान आरोपी बीरन खरवार के पास से एक देशी कट्टा, 05 जिंदा राउंड, 06 मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त हथोड़ा, बसुला, रस्सी (गेरुवा रस्सी) , लोहे का राड (सुम्बा) घटना समय पहने कपड़े जो सीसीटीवी फुटेज से भी स्पष्ट हुआ है, विधिवत जप्ती की गई है। थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव अहेर, थाना प्रभारी जूटमिल राम किंकर यादव, सउनि शशिदेव भोई, प्रधान आरक्षक सतीश पाठक, श्याम देव साहू के साथ सायबर सेल के प्रधान आरक्षक राजेश पटेल, दुर्गेश सिंह, बृजलाल गुर्जर, प्रदीप गहलोत, महिला आरक्षक रेणु सिंह मंडावी, आरक्षक महेश पंडा, पुष्पेन्द्र जाटवर, धनंजय कश्यप, नंद कुमार पैंकरा, प्रताप बेहरा, विकास प्रधान, मुकेश यादव, सुरेश सिदार, पुष्पेन्द्र मराठा, राजेश खांडे, प्रमोद सागर और महिला आरक्षक मेनका चौहान की सराहनीय भूमिका रही है।

गिरफ्तार आरोपी-

(1)किशन खैरवार पिता रंगीन खैरवार उम्र 25 साल निवासी भगवती हॉस्पिटल कान्टू मोहल्ला खैरवार टोली डाल्टनगंज 2 नंबर टाउन जिला पलामू झारखंड

(2) बीरन खरवार पिता नाखून खरवार उम्र 40 वर्ष

(3) राजकुमार खैरवार पिता सुरेश खैरवार उम्र 25 साल

(4) चिड़ीमाल खैरवार पिता दरोसा खैरवार उम्र 40 साल सभी निवासी ग्राम चियांकी थाना डाल्टनगंज जिला पलामू (झारखंड) हाल मुकाम महामंदिर महामाया मंदिर के पास बैकुंठपुर जिला कोरिया

फरार आरोपी- रामू खैरवार निवासी रोहतास (बिहार)

जप्त मशरूका- एक देशी कट्टा और 05 जिंदा कारतूत। नकद रकम रु.2,36,050 के साथ लगभग 1 तोला सोना और 3 तोला चांदी जुमला कीमती – 3,50,000 रूपये।

महत्वपूर्ण एवं खास

तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की हुई नवीन पदस्थापना

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कार्यालयीन कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने के उदे्श्य से तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को नवीन पदस्थापना स्थान में अस्थायी तौर पर आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ किया है। इनमें तहसीलदार अनुज कुमार पटेल को अतिरिक्त तहसीलदार तमनार तथा नायब तहसीलदार लीलाधर चन्द्रा को प्रभारी तहसीलदार तमनार में पदस्थ किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

कलेक्टर ने निर्वाचन कार्य हेतु निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने निर्वाचनों के मद्देनजर भवनों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निर्माणाधीन भवन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी कक्ष, ईवीएम के रखरखाव हेतु स्ट्रांग रूम, प्रशिक्षण कक्ष, मतदान के दौरान सुरक्षा बलों के ठहरने के लिए कक्ष आदि का जायजा लिया। कलेक्टर डॉ. सिद्दीकी ने संबंधित निर्माण एजेंसी को तय समय पर सभी कार्यों को पूरा करने को कहा। इसके अलावा भवन में पेयजल और विद्युतीकरण की व्यवस्था करने तथा महिला-पुरूष वर्गों के लिए पृथक-पृथक से शौचालय निर्माण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी उपस्थित थीं।

नेतनागर मौधाभांठा रोड किनारे 20 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक राम किंकर यादव के नेतृत्व में कल शाम जुटमिल पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर नेतनागर मौधाभांठा रोड किनारे नाकेबंदी कर नहर की ओर से कांवर में दो प्लास्टिक डिब्बा में अवैध महुआ शराब लाते एक व्यक्ति को पकड़ा गया है, पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम बिरंची मिर्धा पिता नुरपो मिर्धा उम्र 40 वर्ष निवासी नेतनागर मौधाभाठा थाना जूटमिल रायगढ का बताया जिसके कब्जे से दो नग 15 लिटर क्षमता वाली प्लास्टिक के जरकीन में भरा हुआ हाथ भट्ठी का बना महुआ शराब करीब 20 लीटर कीमती करीब 2,000/- रूपये का जप्त किया गया है। आरोपी बिरंची मिर्धा पर थाना जूटमिल में धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है। शराब रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक राम किंकर यादव के साथ थाना जूटमिल के प्रधान आरक्षक खीरेन्द्र जलतारे, आरक्षक जितेश्वर चौहान और गणेश सिंह पैंकरा शामिल थे।

कलेक्टर सिन्हा ने गोबर पेंट से किया स्कूल में रंग रोगन की शुरूआत

- अधोसंरचना निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता का रखें ख्याल
- यूथ सेंटर का किया निरीक्षण, आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश
- तहसील कार्यालय के निर्माण कार्य में लाए तेजी

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा कल विकासखंड लैलूंगा के बूढ़ीकुटेल के प्राथमिक शाला पहुंचे। यहां उन्होंने गोबर पेंट का उपयोग कर स्कूल में रंग रोगन कार्य की शुरूआत की। उन्होंने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल के मरम्मत कार्यों की तारीफ करते हुए, ठेकेदार को सभी स्कूलों में गोबर पेंट से रंग-रोगन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर लैलूंगा विधायक चक्रधर सिंह सिदार, सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा उपस्थित रहे।

लैलूंगा विकासखंड के दौरे पर कलेक्टर सिन्हा ने यूथ सेंटर, स्कूल, छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न अधोसरंचना निर्माण एवं व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अधोसरंचना निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे। मौके पर कलेक्टर सिन्हा ने घरघोड़ा स्थित बनाए जा रहे यूथ सेंटर का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने लाइब्रेरी एवं चल मरम्मत कार्यों को देखा। उन्होंने कोचिंग के लिए मौजूद शेड में आवश्यक बैठक एवं पंखा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कोचिंग के लिए स्थानीय शिक्षकों की व्यवस्था की जानकारी ली। जिससे बच्चे नीट, जेईई के लिए बेहतर तैयारी कर सके। इस दौरान उन्होंने बच्चो के लिए कैरम, शतरंज जैसे खेल सामग्री भी प्रदान करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में कलेक्टर सिन्हा ने प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास मुकडेगा का निरीक्षण किया। कलेक्टर सिन्हा ने छात्रावास का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधीक्षिका से आबंटित राशि प्राप्त होने के पश्चात मरम्मत कार्य आवश्यकतानुसार करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में मौजूद छात्रा अर्चना कुजूर से चर्चा कर उनके गांव एवं हॉस्टल में मिलने वाले खान-पान की जानकारी ली। छात्रा ने बताया की उनका ग्राम खेड़आमा है, उनके परिजन उनसे मिलने शुक्रवार को आते है, इस छात्रावास में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नही है। दौरे के दौरान कलेक्टर सिन्हा नवीन तहसील कार्यालय के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने मुकडेगा भी पहुंचे। आरईएस विभाग द्वारा बताया गया कि तहसील कार्यालय के भूमि चिन्हांकन कर लिया गया है, जिसके लिए बाजार को अन्य जगह स्थानांतरित किया जाएगा। कलेक्टर सिन्हा ने आरईएस को निर्देशित किया की तहसील कार्यालय के निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व स्थानांतरित बाजार को विकसित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को हाट-बाजार से संबंधित समस्या न हो। इसके साथ ही उन्होंने तहसील कार्यालय के निर्माण कार्य में तेजी लाने एवं टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नहरपाली के पास रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच में जुटी भूपदेवपुर पुलिस

रायगढ़। भोर में भूपदेवपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नहरपाली का रेलवे ट्रैक खंबा नंबर 606/14A-16A के पास एक अज्ञात पुरुष उम्र करीब 45 वर्ष का शव ट्रैक के बीचो-बीच पड़े होने की सूचना रेलवे कर्मचारी हेमंत यादव (ट्रैफिक असिस्टेंट) द्वारा थाना भूपदेवपुर में दिया गया। सूचना पर भूपदेवपुर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक जीपी बंजारे अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक का शव रेलवे ट्रैक के बीचो बीच पड़ा हुआ मिला है, कुछ दूरी पर मृतक के पेंट टी-शर्ट रखा हुआ है। मृतक के पास ना ही कोई मोबाइल और ना ही किसी प्रकार का पहचान पत्र मिला है। थाना प्रभारी द्वारा आसपास गांव के लोगों से पूछताछ कर मृतक की शिनाख्तगी का प्रयास किया गया, किसी ने मृतक को नहीं पहचाना। थाना प्रभारी द्वारा मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव को मरच्युरी में रखवाया गया है। मृतक के वारिसानों का पता लगाने थाना प्रभारी द्वारा थाना क्षेत्र के गांव में मुनादी कराने के साथ विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप में मृतक के फोटोग्राफ्स शेयर किए गए हैं। घटना बीते रात के होने और मृतक के शरीर में आए चोट के निशान प्रथम दृष्टया दुर्घटना से होना प्रतीत हो रहा है बहरहाल सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

'केलो है तो कल है' के संकल्प के साथ पहाड़ लुडेग से केलो संरक्षण महाभियान का हुआ आगाज

- विधायक लैलूंगा चक्रधर सिंह सिदार व कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने की अभियान की शुरुआत
- जिले के अंतिम छोर में बसा पहाड़ लुडेग है केलो नदी का उद्गम
- पहले चरण में 25 कि.मी. का होगा उपचार
- तटवर्ती 12 गांव प्रोजेक्ट में शामिल, इन गांवों के जनप्रतिनिधि शुभारंभ पर रहे मौजूद
- प्रशासन के साथ जनसहभागिता से होगा केलो संरक्षण का कार्य
- 'रिज टू वैली' के कांसेप्ट पर होगा काम
- क्षेत्र और नरवा उपचार दोनों मोर्चों पर साथ-साथ चलेगा काम, बनी कार्ययोजना

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की पहल पर तैयार किए जिला प्रशासन के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट रायगढ़ की जीवनदायिनी केलो के संरक्षण और संवर्धन का शुभारंभ हुआ। रायगढ़ जिले के अंतिम छोर में स्थित केलो नदी के उद्गम स्थल पहाड़ लुडेग से विधायक चक्रधर सिंह सिदार व कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने अभियान की शुरुआत की। सीईओ जिला अबिनाश मिश्रा भी इस दौरान मौजूद रहे। इस महाभियान के पहले चरण में नदी के शुरुआती 25 कि.मी.में काम किया जाएगा। इसके लिए विस्तृत डीपीआर भी तैयार करवाया गया है। इसमें नदी के किनारे बसे 12 गांव भी शामिल हैं। शुभारंभ के मौके पर इन गांवों के सरपंच, उपसरपंच और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

शुभारंभ के मौके पर विधायक चक्रधर सिंह सिदार ने कहा कि केलो नदी न सिर्फ लैलूंगा बल्कि पूरे रायगढ़ जिले की पहचान है। इसके पुनरुद्धार और संरक्षण के लिए महाभियान की शुरुआत एक बेहद जरूरी पहल है। उन्होंने कहा प्रशासन के साथ जन सहभागिता से केलो नदी के संरक्षण के प्रयास को बल मिलेगा। उन्होंने तटवर्ती गांवों के जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस अभियान में अपना शत-प्रतिशत सहयोग देने का संकल्प लें।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि केलो नदी रायगढ़ की जीवन रेखा है। यह जिले की प्यास बुझाने के साथ ही किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। केलो नदी को सहेजना और संवारना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में प्रशासन ने कदम बढ़ाए हैं। जिससे आने वाले समय में नदी का स्वरूप निखरे। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य है कि प्राकृतिक जल को व्यर्थ बहने से रोका जाए और रुके हुए जल को भूमिगत किया जाए। जिससे पानी का अधिकतम उपयोग हो। केलो नदी के पुनरुद्धार व संरक्षण के लिए पिछले 2 माह से तैयारी की जा रही थी। जिला पंचायत के नरवा शाखा के साथ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा ने इसके लिए सर्वे कर विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार किया है। केलो नदी के तट पर बसे 12 गांवों को भी इसमें शामिल किया गया है। संरक्षण के लिए एरिया ट्रीटमेंट और नरवा ट्रीटमेंट दोनों मोर्चों पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए डीएमएफ व सीएसआर से राशि दी जाएगी। इसके साथ ही नरवा संवर्धन व पंचायतों के माध्यम से भी कार्य किए जाएंगे

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा ने पूरे प्रोजेक्ट के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। केलो नदी जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके संरक्षण और संवर्धन की दिशा में प्रशासन के साथ जन सहभागिता इस मुहिम को मजबूती देगी। गौरतलब है कि राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य भी इस अभियान से जुड़े हुए हैं।

इस अवसर पर यशोमती सिंह सिदार जिला पंचायत सदस्य जिला पंचायत रायगढ़, किरण पैंकरा जनपद अध्यक्ष जनपद पंचायत लैलूँगा, ठण्डाराम बेहरा, इसके अलावा सरपंच ग्राम पंचायत आमापाली, गुनु, दियागढ़, लारीपानी, पहाड़ लुड़ेग, मोहनपुर, भकुर्रा, गंजपुर, खम्हार, उप सरपंच भकुर्रा, राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य व पंचगण उपस्थित रहे।

नदी किनारे बसे 12 गांवों के लिए बना माइक्रोप्लान- अभियान के पहले चरण में नदी के शुरुआती 25 कि.मी.का उपचार किया जाएगा। इसमें नदी किनारे बसे 12 गांवों में काम किया जाएगा। सभी गांवों के लिए अलग-अलग माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। केलो नदी के उद्गम पहाड़ लुडेग के साथ राताखंड, घियारमुडा, आमापली, सोहनपुर, सागरपाली, भकुर्रा, गहिरा, दियागढ़, चिंगारी, गजपुर तथा मडियाकछार में काम होगा।

रिज टू वैली कांसेप्ट से होगा काम- केलो नदी के पुनरुद्धार के लिए वॉटरशेड के रिज टू वैली कांसेप्ट से काम किया जाएगा। इसमें चोटी पर नदी के उद्गम से लेकर नीचे की ओर जाने वाले नदी की लाइनिंग को जोड़ा जाएगा। इसमें पूरे क्षेत्र को ढलान के अनुसार अलग-अलग भागों में बांटा गया है। जिसमें बहाव को नियंत्रित करने तथा जल को स्टोर करने के लिए अलग-अलग उपाय किए जायेंगे।

25 कि.मी. में होगा एरिया और नरवा ट्रीटमेंट- डीपीआर के अनुसार एरिया और नरवा ट्रीटमेंट किया जाएगा। जिससे नदी के तटों का कटाव, गाद जमा होना, बहाव में कमी, घटता भू-जल जैसी समस्याओं को दूर किया जा सके। इसमें नरवा ट्रीटमेंट के लिए ब्रशवुड चेक, लूज बोल्डर चेक, गेबियन स्ट्रक्चर, चेक डैम तथा स्टॉप डैम का निर्माण किया जाएगा। एरिया ट्रीटमेंट के तहत विभिन्न स्ट्रक्चर जैसे कंटूर ट्रेंच, पर्कोलेशन टैंक, स्टेटगार्ड ट्रेंच साथ ही ढलान के मुताबिक विभिन्न प्रजाति के पौधों और वृक्षों का प्लांटेशन किया जाएगा।

जिले के पर्यटन मानचित्र में अंकित होगा पहाड़ लुडेग- केलो नदी का उद्गम पहाड़ लुड़ेग प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। पहाड़ी इलाकों से गुजरते रास्ते किसी हिल स्टेशन का अहसास देते हैं। पहाड़ लुडेग के सुरम्य वातावरण और भौगोलिक व ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि यहां पर सुविधाएं विकसित की जाएंगी जिससे पहाड़ लुडेग जिले के पर्यटन मानचित्र पर जल्द अंकित हो। उन्होंने केलो नदी के उद्गम स्थल पर भी जरूरी निर्माण करने तथा वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए।

वृक्ष संपदा योजना के तहत किया पौधों का वितरण- आज पहाड़ लुडेग में आयोजित कार्यक्रम में विधायक लैलूंगा चक्रधर सिंह सिदार व कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने वृक्ष संपदा योजना के तहत विभिन्न प्रजाति फलदार व अन्य पौधों का वितरण ग्रामीणों को किया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480